Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

PGD-VD-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester-II

दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम

दर्शन बोध

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. वैशेषिक दर्शनानुसार द्रव्य, गुण, कर्म के विभागों को सविस्तार समझाएं।
2. न्याय दर्शन में वर्णित प्रमेयों का सविस्तार वर्णन करें।
3. वेदान्त दर्शन के अनुसार सिद्ध कीजिए कि जगदुत्पत्ति आदि का कर्त्ता ब्रह्म है।
4. न्यायदर्शन के अनुसार कथा का सविस्तार वर्णन करें।
5. द्रव्य, गुण, कर्म का लक्षण (स्वरूप) सूत्रों को बताते हुए सविस्तार व्याख्या करें।

खण्ड-ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. वैशेषिक दर्शनानुसार धर्म को परिभाषित करते हुए उसका फल बतलाएं।
7. न्यायदर्शनानुसार संशय का लक्षण बतलायें।
8. ''सर्वत्र प्रसिद्धोपदेशात्'' सूत्र की व्याख्या करें।
9. वैशेषिक दर्शनानुसार ''सत्ता'' का स्वरूप क्या है?
10. मीमांसा दर्शन के अनुसार अर्थवाद को समझाएं।
11. कोई दो प्रमाण प्रस्तुत करते हुए सिद्ध कीजिए कि जगदुत्पत्ति में ब्रह्म निमित्त कारण है।
12. न्यायदर्शन के अनुसार छल का लक्षण सूत्र बतलाते हुए व्याख्या करें।

----------X----------